gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 ■ वर्ष 23 ■ अंक 03 ■ पेज 4 ■ मूल्य : नि:शुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आज

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे राज्यपाल उच्च शिक्षा मंत्री होंगे मुख्य अतिथि

उत्कृष्ट 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 01 विद्यार्थी को मिलेगा नाना जी देशमुख पदक

पी-एच.डी. के 26 शोधार्थियों, स्नातक के 438 और परास्नातक के 335 विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का 12 वां दीक्षांत समारोह आज 16 अक्टूबर 2024 को आयोजित होगा। मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल और कुलधिपति श्री मंगु भाई पटेल दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवम आयुष विभाग के मंत्री श्री इंदर सिंह परमार इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस मौके पर पी-एच.डी. के 26 शोधार्थियों, स्नातक के 438 और परास्नातक के 335 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी, जबकि उत्कृष्ट 32 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 01 विद्यार्थी को नाना जी देशमुख पदक प्रदान किया जाएगा। समारोह से पहले विश्वविद्यालय के रजत जयंती भवन स्थित बोर्ड रूम में दीक्षांत समारोह के तैयारियों की समीक्षा करते हुए कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने आयोजन को गरिमामय ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आयोजन समिति के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। संयोजक प्रो. आई पी त्रिपाठी अधिष्ठाता विज्ञान और पर्यावरण संकाय ने पृथक पृथक गठित व्यवस्था समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों के अपडेट पर प्रकाश डाला। बैठक में दीक्षांत समारोह के व्यवस्था समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों सहित कुलसचिव , संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, अनुभाग प्रमुख मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के मार्गदर्शक

श्री मंगू भाई पटेल
महामहिम राज्यपाल

श्री डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

श्री इंदर सिंह परमार
उच्च शिक्षा मंत्री

विश्वविद्यालय में साकार हो रही ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना

ग्राम दर्शन परिसर : कुलगुरु प्रो. भरत मिश्र का ड्रीम प्रोजेक्ट

चित्रकूट। ग्रामोदय से राष्ट्रोदय का सपना महात्मा गांधी और नाना जी ने ही देखा था। नाना जी ने चित्रकूट में इस मॉडल को जमीन पर उतारा भी। अब महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में ग्राम दर्शन की परिकल्पना, हमारे कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्र का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जो माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार नवाचार प्रकल्प में प्रस्तुत किया गया है।

इस ग्राम दर्शन में यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाला परिवार, जिसमें एक किसान का परिवार किस तरह जीवन यापन करता है? उनके रहने का स्थान कैसा होता है? गांवों में चारा काटते हुई महिलाएं, हल जोतता हुआ किसान, कुएं से पानी भरती हुई पनिहारिन।

इसके अलावा उनके दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुएं जो ग्रामीण परिजन परिजन इस्तेमाल करते हैं, उन सभी का प्रदर्शन यहां ग्राम दर्शन में किया गया है। यह हमारी विरासत हैं। वर्तमान में जो वस्तुएं लुप्तप्राय होती जा रही हैं, उन्हें ग्राम दर्शन में दिखाया गया है। इसी तरह हमारे विलुप्त होते हुए वाद्ययंत्र हैं, जो अतिप्राचीन काल से प्रचलित हैं, जिनका स्वरूप अब बदल चुका है। ऐसे वाद्ययंत्रों का भी प्रदर्शन ग्राम दर्शन के परिसर में किया है।

कुलगुरु की कलम से...

दुनिया एक ग्लोबल विलेज की अवधारणा के साथ आगेबढ़ रही है। जब पूरी दुनिया तरक्की के नाम पर जीवन मूल्यों के डिग रही है। ऐसे में राष्ट्रऋषि भारत रत्न नाना जी देखमुख का ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की अवधारणा बहुत महत्वपूर्ण है। इस मायने में चित्रकूट ऐसा पवित्र स्थान है जहां महर्षि अत्रि ने दुनिया के पहले विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। सामाजिक आवश्यकता और आदर्शों को आत्मसात कर संस्थापक कुलाधिपति नाना जी देशमुख ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की संकल्पना और कार्यशैली का अंतिम प्रारूप किया था। गांवों के विकास करके ही शहरों का विकास किया जा सकता है, इसके बाद राज्य और राष्ट्र की बारी आएगी। किसी भी विकास की नींव गांव से ही रखी जानी उचित रहेगी। महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय उसी भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। नाना जी के दिव्यस्वप्न को शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए ग्रामोदय विश्वविद्यालय में ग्राम दर्शन की परिकल्पना साकार की गई है। माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार नवाचार प्रकल्प में हमने इसे प्रस्तुत किया गया है। इस ग्राम दर्शन में यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि ग्रामीण परिवेश में रहने वाला परिवार, जिसमें एक किसान का परिवार किस तरह जीवन यापन करता है? इसे देखकर विद्यार्थीगण जीवन के अलग-अलग पहलुओं से रूबरू हो सकेंगे। हमारा ग्रामोदय विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व, परीक्षा ,मूल्यांकन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पहलुओं के साथ नए विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण कर रहा है। यह विश्वविद्यालय सामान्य विश्वविद्यालयों भांति एक उच्च शिक्षा संस्थान मात्र नहीं है, अपितु प्रख्यात समाज शिल्पी भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख द्वारा परिकल्पित ग्रामोदय विचार धारा का प्रतीक है। यहां पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। ग्रामोदय का सदैव प्रयास रहता है कि यहां से पढ़ाई करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो। यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही न मिले, अपितु उसके जीवन में आने वाली प्रत्येक कठिनाई का वह समाधान भी खोज सके। जीवनादर्श, ग्राम प्रवास, प्रार्थना सभा, सामूहिक मिलन आदि गतिविधि हमारे विश्वविद्यालय को विशिष्ट बनाती हैं। छात्रावास, पुस्तकालय, खेल मैदान, कौशल शिक्षा केंद्र, सेंट्रल लाइब्रेरी, डिजिटल बुक्स की सुविधाओं से परिपूर्ण ग्रामोदय विश्वविद्यालय वैश्विक शिक्षा की सीख तो दे ही रहा है, जीवन कौशल सिखाकर विद्यार्थी को मूल्य युक्त नागरिक तैयार कर रहे हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हम प्रदेश के 313 विकास खण्डों में सामाजिक नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण कर रहे हैं। मध्य प्रदेश शासन की विभिन्न योजनाओं से इस पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को जोड़ा जाएगा, ऐसी हमारी आगामी योजना है।

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

गणेश चतुर्थी के मौके पर विद्यार्थियों का शिक्षारंभ

शिक्षा, संस्कार ,अनुशासन के साथ नए विद्यार्थियों का हुआ उन्मुखीकरण

चित्रकूट। 8 सितंबर 2023 को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का शिक्षारंभ कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व, परीक्षा ,मूल्यांकन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी के साथ हुआ नए विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय कैम्पस में लागू प्रावधानों व नियमों, अध्ययन-अध्यापन की शैली, कर्तव्य, अनुशासन आदि से परिचित कराया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठान के तत्वावधान में हुए इस आयोजन में कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि ग्रामोदय सामान्य विश्वविद्यालयों भांति एक उच्च शिक्षा संस्थान मात्र नहीं है, अपितु प्रख्यात समाज शिल्पी भारतरत्न राष्ट्रऋषि नाना जी देशमुख द्वारा परिकल्पित ग्रामोदय विचार धारा का प्रतीक है। शिक्षा और संस्कार इस ग्रामोदय की विशेषता है। यहां पढ़ने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। चित्रकूट ऐसा पवित्र स्थान है जहां महर्षि अत्रि ने दुनिया के पहले विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। सामाजिक आवश्यकता और आदर्शों को आत्मसात कर संस्थापक कुलाधिपति नाना जी देशमुख ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की संकल्पना और कार्यशैली का अंतिम प्रारूप किया था। कुलगुरु प्रो. मिश्रा ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अनुशासन के साथ गुणवत्ता पूर्ण पढ़ाई और सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि से अपने को पूरी तरह जोड़े रखें क्योंकि यही ग्रामोदय विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषता है। प्रो. मिश्रा ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से लक्ष्य की ओर सतत बढ़ने की सलाह दी। कुलगुरु ने मां की गोद को पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व बनता है कि वे अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी दें। ग्रामोदय विश्वविद्यालय का सदैव प्रयास रहता है कि यहां से पढ़ाई करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो। यहां अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही न मिले, अपितु उसके जीवन में आने वाली प्रत्येक कठिनाई का वह समाधान भी खोज सके। कुलगुरु ने ग्रामोदय के वैशिष्ट्य को बताते हुए जीवनादर्श, ग्राम प्रवास, प्रार्थना सभा, सामूहिक मिलन आदि गतिविधियों में सहभागिता के लाभ बताए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. शशि कांत त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध अन्य सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी।

सीएमसीएलडीपी : प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के संकल्पों के साथ हुआ प्रदेशव्यापी उन्मुखीकरण सत्रों का शुभारंभ

शासन की विभिन्न योजनाओं से जुड़ेंगे छात्र-छात्राएं

चित्रकूट। 11 अगस्त 2024 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत समाज कार्य के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम के सत्र का शुभारंभ हुआ। इसमें प्रदेश के 313 विकासखंड मुख्यालयों में 50 हजार विद्यार्थियों सहित एक लाख से अधिक नागरिक सहभागी बने। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन आव्हान एक पेड़ मां के नाम और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की लोक संकल्पना हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों पर चर्चा की गई। मझगवां विकास खंड में आयोजित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के उन्मुखीकरण सत्र शुभारंभ कार्यक्रम को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा और सीएमसीएलडीपी कार्यक्रम के निदेशक प्रो अमरजीत सिंह ने संबोधित किया। प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम भारत की नई शिक्षा नीति का स्वरूप है । पाठ्यक्रम के माध्यम से हम मध्य प्रदेश के 313 विकास खण्डों में सामाजिक नेतृत्वकर्ताओं का निर्माण कर रहे हैं। कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने नशा मुक्ति के लिए सभी को शपथ दिलाई। इस दौरान वृक्षारोपण किया और हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। वहीं, जिले के सोहावल विकासखंड में मध्य प्रदेश की नगरीय विकास और आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रदेशव्यापी कार्यक्रम में कुलगुरु डॉ भरत मिश्रा, प्रो अमरजीत सिंह मझगवां में, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ धीरेंद्र पांडेय ओबेदुल्ला गंज भोपाल में और निदेशक प्रो वीरेंद्र कुमार व्यास विकासखंड फंदा में एवं टास्क मैनेजर प्रवीण शर्मा सीहोर के उन्मुखीकरण सत्रों में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री के पिताश्री के निधन पर कुलगुरु ने व्यक्त किया दुख

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पूज्य पिताश्री पूनम चंद यादव के निधन पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने गहरा दु:ख प्रकट किया। 04 फरवरी 2024 को प्रो. भरत मिश्रा ने मुख्यमंत्री के पूज्य पिताश्री के आकस्मिक निधन को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को उनका विरह सहने की शक्ति और सम्बल प्रदान करे।

कई गांवों में निकाली 'हर घर तिरंगा रैली'

चित्रकूट। 14 अगस्त 2024 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा के निर्देश पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कार्य के विद्यार्थियों के द्वारा ग्राम मोहकमगढ़, पडहा, सुरांगी एवं इन्द्रा नगर मे आंगनवाड़ी और स्कूलों के सहयोग से तिरंगा यात्रा निकाली। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विनोद शंकर सिंह एवं डॉ. अजय आर. चौरे ने संयुक्त रूप से किया। तिरंगा यात्रा गांव के प्रत्येक गली से होते हुए पुन : प्रारंभ स्थल पहुंची, जहां व्याख्यान हुआ और हर घर तिरंगा यात्रा के महत्व को बताया गया।

रानी दुर्गावती : व्यक्तित्व-कृतित्व प्रदर्शनी

चित्रकूट। ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 10 अगस्त 2024 को वीरांगना दुर्गावती के व्यक्तित्व-कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन, अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. एडीएन बाजपेई, एमपीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रो बिपिन ब्योहार, रानी दुर्गावती शोध संस्थान जबलपुर के संरक्षक डॉ पवन तिवारी, अध्यक्ष पवन स्थापक, सचिव प्रो. अतुल दुबे ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

महर्षि पाराशर भवन :मिलेंगी कृषि सूचनाएं

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र का निर्माण किया गया है। 14000 वर्ग फीट के कुल क्षेत्रफल वाले इस केंद्र का नाम महर्षि पाराशर भवन रखा गया है। इसमें कृषि जगत की अद्यतन आधुनिक तकनीक एवं प्रौद्योगिकी संबंधी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह भवन दो मंजिला है, जिसमें एक बड़ा हॉल निर्मित किया गया है।

भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बहुआयामी प्रयास करने की आवश्यकता : मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर

भूमिहीन खेतिहर मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के आउट ऑफ बॉक्स चिन्तन करना होगा

चित्रकूट। राष्ट्रऋ षि नानाजी देशमुख ने चित्रकूट प्रकल्प के माध्यम से भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिये जो मॉडल प्रस्तुत किया है वह आत्मनिर्भर ग्रामों के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिये आधारभूत प्रेरणास्रोत है। आज के समय में इन मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बहुआयामी प्रयास करने की आवश्यकता है। यह बातें मध्यप्रदेश शासन के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहीं। वे 29 जून 2024 को चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, दीनदयाल शोध संस्थान और मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में देश भर के अनेक राज्यों से विद्वान विचार-विमर्श के लिये एकत्र हुए थे। भूमिहीन श्रमिकों के प्रश्न को संवेदनशीलता, प्रतिष्ठा, गरिमा और निजता से जोड़कर समाधान ढूंढने के लिये 'आउट आफ बॉक्स' विचार करने का आग्रह विशिष्ट अतिथि और पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजय पासवान ने व्यक्त किया। राष्ट्रीय संयोजक श्यामप्रकाश ने कहा कि पाश्चात्य चिन्तन ने हमारी दृष्टि कृषकों और भूमिहीन श्रमिकों में भेद करने वाली बनाने का प्रयास किया है पर वस्तुतः यह दोनों एक ही हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने नवाचारों के माध्यम से देश में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि नानाजी कहते थे कि आज की परिस्थितियों में- 'गांव उजाड़ हो रहे हैं और शहर आबाद।' विकास का यह मॉडल दूरगामी रूप से ठीक नहीं हैं। इसके परिणाम समाज और राष्ट्र के हित में नहीं होगे। कुलगुरु प्रो. मिश्रा ने कहा कि देश को नानाजी का चिंतन एक नई दृष्टि दे सकता है। दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने नानाजी के आत्मनिर्भर गांवों के संकल्प को साझा किया। दीनदयाल शोध संस्थान की ओर से भूमिहीन श्रमिकों के आर्थिक उन्नयन के लिये किये जाने वाले प्रयासों की प्रस्तुति बसंत पंडित ने तथ्यात्मक रूप से की। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने परिषद को प्रदेश में स्वैच्छिकता का सबसे बड़ा संगठनात्मक तंत्र बताते हुये विविध स्तरों पर इसके स्वरूप को प्रस्तुत किया। डॉ. पाण्डेय ने परिषद की योजनाओं और उपलब्धियों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व अपर मुख्य सचिव एवं वर्तमान में जनजातीय प्रकोष्ठ राजभवन के संयोजक दीपक खांडेकर ने कहा कि समस्या से हम सब परिचित हैं, हमें निदान की ओर बढ़ना चाहिये। इस दृष्टि से पॉलिसी निर्माण बहुत आवश्यक है। भूमिहीन श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को कौन से उपाय बेहतर बना सकते हैं उनका सम्यक विचार इस संगोष्ठी में होना चाहिये। संगोष्ठी में13 राज्यों के भूमिहीन श्रमिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर अध्ययन के आधार पर बनाये गये प्रतिवेदनों की पुस्तक- 'सोशियो इकानोमिक रिपोर्ट्स आफ लैण्डलेस लेबर फ्रॉम वेरियस स्टेट्स' और इस विषय पर चिन्तन आधारित विचार परक आलेखों का संकलन 'वाइस आफ द लैण्डलेस' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। प्रेरणागीत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक अमिताभ श्रीवास्तव ने प्रस्तुत किया। संचालन संचार विशेषज्ञ प्रो. वीरेन्द्र कुमार व्यास द्वारा किया गया।

प्रार्थना सभा आध्यात्मिक ज्ञान नहीं, विश्वविद्यालय को जानने और समझने का माध्यम भी है : प्रो .भरत मिश्रा

चित्रकूट। 27 जुलाई 2024 को महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने विवेकानंद सभागार में मूल्य और सामाजिक उत्तरदायित्व पाठ्यक्रम में अंगीकृत प्रार्थना सभा आयोजित की। इस मौके पर कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि प्रार्थना सभा केवल आध्यात्मिक ज्ञान ही नहीं, अपितु विश्वविद्यालय को जानने और समझने का माध्यम भी है।अनिल शुक्ला ने भृतहरी के नीति दशक श्लोक प्रस्तुत किया। मधु द्विवेदी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े प्रसंग साझा किए। सुनील कुमार ने एकल गीत के रूप में सुंदर देवी गीत प्रस्तुत किया। छात्र छात्राओ ने समूह गीत के रूप में प्रेरक गायन प्रस्तुत किया। उपकुलसचिव अकादमी डॉ साधना चौरसिया ने पर्यावरण और स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान और आगामी अकादमिक कार्ययोजना प्रस्तुत किया। रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम के सामूहिक भजन के साथ प्रार्थना सभा का समापन हुआ। इस मौके पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ग्रामोदय में होती है मासिक प्रार्थना सभा

महामहिम राज्यपाल ने ग्रामोदय की शिक्षा पद्धति को करीब से जाना

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल महामहिम मंगुभाई पटेल पिछले दिनों चित्रकूट के तीन दिवसीय दौरे पर आए। इस दौरान उन्होंने नाना जी द्वारा विकसित किये गए ग्राम विकास के प्रक्रिया को करीब से देखा और अनुभव किया। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं नवाचार के बारे में अवगत कराया। इस दौरान महामहिम ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति की सराहना की। आरोग्य धाम चित्रकूट में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट की फाइन आर्ट संकाय की छात्राओं नेहा मिश्र, शैलजा और अंजली सिंह द्वारा राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को उनके पृथक-पृथक बनाए गए प्रतिकृति चित्रों को भेंट किया गया। इस दौरान ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो. भरत मिश्रा, संगठन सचिव डीआरआई अभय महाजन सहित ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आरोग्यधाम चित्रकूट स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हुए तो सभी ने उन्हें विदाई दी। हेलीपैड पर कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा, संगठन सचिव अभय महाजन, एसडीएम पीएस त्रिपाठी सहित अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने राज्यपाल को भावभीनी विदाई दी।

दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपराओं के पालन हेतु हुई राष्ट्रीय कार्यशाला

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के दीक्षांत नवाचारों की देशभर में हो रही सराहना

चित्रकूट। उच्च शिक्षा संस्थानों में होने वाले दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपराओं के पालन हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी नई दिल्ली में 04 मई 2024 को राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इस कार्यशाला में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की प्रस्तुति ने देशभर से आए विश्वविद्यालयों के कुलपति, उच्च शिक्षा संस्थानों के निदेशकों और प्राध्यापकों को आकर्षित किया। इस अवसर पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय सहित 12 विश्वविद्यालयों ने अपनी दीक्षांत प्रक्रिया को साझा किया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपराओं का पालन करने हेतु आयोजित कार्यशाला में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को काफी सराहना मिली। कार्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सभागार में आयोजित हुआ। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भरत मिश्रा की ओर से दीक्षांत समारोह में भारतीय परंपराओं के पालन पर परीक्षा नियंत्रक डॉ ललित कुमार सिंह ने प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर सौ से अधिक विश्वविद्यालय के कुलपति, विभिन्न संस्थाओं के निदेशक तथा दो सौ से अधिक प्रोफेसर एवं अनेक छात्र छात्राएं भी शामिल रहें। उद्घाटन सत्र में प्रो आलोक कुमार चक्रवाल, कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, डॉ अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, प्रो सीताराम अध्यक्ष ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन, प्रो पंकज मित्तल, महासचिव भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा डॉ अभय जेरे उपाध्यक्ष ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रमुख रूप उपस्थित रहे।

विशिष्ट झलकियां...

ग्रामोदय में हर्ष उल्लास से मनाई गई गांधी जयंती

2 अक्टूबर 2024 को ग्रामोदय विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि कहा कि गांधी जी का जीवन और उनका दर्शन प्रेरणादायी हैं।

संस्थापक कुलाधिपति नानाजी की जयंती पर जगमगाया ग्रामोदय

11 अक्टूबर 2024 को ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति, भारत रत्न, नानाजी देशमुख जी की जयंती पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय दीपों से जगमगाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को कुलगुरु प्रो. मिश्रा ने दी बधाई

17 सितंबर 2024 को कुलगुरु प्रो भरत मिश्रा ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी को उनके जन्म दिन की हार्दिक बधाई दी। कुलगुरु ने सोशल मीडिया में चित्र शेयर करते हुए लिखा कि आपके नेतृत्व में गतिमान देश, विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त कर, वैभवशाली राष्ट्र बनेगा, जो हम सबका संकल्प है।

एक पेड़ मां के नाम, कुलगुरु ने पेड़ लगाया, साफ-सफाई भी की

कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने एक पेड़ मां के नाम थीम पर नाना जी उपवन के विकास का विशिष्ट लक्ष्य लेकर काम प्रारंभ कर दिया है। साथ ही वे विद्यार्थियों के साथ स्वच्छता अभियान में शामिल भी हुए।

जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर को दी शुभकामनाएं

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा श्री मोहन नागर को मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर 28 अगस्त 2024 को सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं दी।

राज्य उच्च शिक्षा परिषद की बैठक में शामिल हुए कुलगुरु प्रो. मिश्रा

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान रुसा मध्य प्रदेश के अंतर्गत गठित मध्य प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद की की बैठक पिछले दिनों उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में हुई। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा भी राज्य स्तरीय इस बैठक में शामिल हुई।

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश। संपादक : डॉ. जयप्रकाश शुक्ल।